Mr. Saroj Kumar
Assistant Professor
Education Department (B.Ed.)
R.M. college, Saharsa
contact No. – 9334195883

Sub. – Contemporary India & Education.

Q. सार्वभौमिक शिक्षा – अर्थ, परिभाषा और उद्देश्यों का वर्णन करें ?

सार्वभौमिक शिक्षा का अर्थ –

सार्वभौमिकरण अंग्रेजी शब्द यूनिवर्सलाइजेशन का हिन्दी रूपांतरण है। इस शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग इंग्लैण्ड में किया गया। इंग्लैण्ड में प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य एंव नि:शुल्क किया गया तो उस समय उनका उद्देश्य शिक्षा को देश के एक निश्चित आयु वर्ग के सभी बच्चों को सुलभ कराना था। इसी के लिए उन होनें 'यूनिवर्सलाइजेशन' अर्थात् सार्वभौमीकरण शब्द का प्रयोग किया।

'शिक्षा के सार्वभौमीकरण' का शाब्दिक अर्थ है, शिक्षा की किसी निश्चित स्तर तक सभी लोगों के लिए अनिवार्य एंव नि:शुल्क रूप से उपलब्धता सुनिश्चित करना। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि शिक्षा को सभी बच्चों के लिए अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना ही प्रारंभिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण कहलाता है।

सार्वभौमिक शिक्षा की परिभाषा –

डा० राधाकृष्णन के अनुसार, 'शिक्षा केवल आजीविका कमाने का साधन नहीं है बल्कि यह विचारों की जन्मस्थली है। यह ना केवल नागरिकता का विद्यालय है बल्कि आध्यात्मिक जीवन में प्रवेश का मार्ग है। मनुष्य अपनी आत्मा व सत्य की खोज के लिए इसमें प्रशिक्षण लेता है'।

एस० एन० मुखर्जी के अनुसार, "शिक्षा की सरकारी मशीनरी ने कुछ तीव्र गति से काम शुरू कर दिया है, परंतु अभी बहुत से प्रयत्नों की आवश्यकता है। इसे नागरिकों को अनिवार्य शिक्षा के साथ जोड़ा जाए।"

जे० पी० नायक के अनुसार, "प्रारंभिक शिक्षा की प्रगति पूर्ण देश के सामाजिक, आर्थिक व सामान्य विकास का द्योतक है।"

एस० चक्रवर्ती के अनुसार, "सामाजिक पुर्ननिर्माण करने की दृष्टि से, जिसके लिए देश की प्रतिबद्धता है, प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण की समस्या का निःसन्देह निर्णयात्मक महत्व है।"

सार्वभौमिकरण शिक्षा के उद्देश्य –

सार्वभौमिकरण शिक्षा के उद्देश्य निम्नलिखित है:-

1. बालक का शारीरिक, बौद्धिक एंव मानसिक विकास करना।
2. बालक का नैतिक व चारित्रिक विकास करना।
3. बालक का सांस्कृतिक विकास करना।
4. बालकों में सामाजिक कुशलता विकसित करना।
5. बालकों के व्यक्तित्व का सर्वांगिण विकास करना।
6. बालकों में विवेकपूर्ण निर्णयन क्षमता का विकास करना।
7. बालकों में सामाजिक समायोजन कौशल विकसित करना।

सार्वभौमिकरण शिक्षा की आवश्यकता एंव महत्व –

सार्वभौमिकरण शिक्षा की आवश्यकता एंव महत्व निम्नलिखित है –

1. साक्षरता में दैनिक विस्तार।
2. दैनिक जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति।
3. स्वशिक्षा।
4. व्यक्तित्व का विकास।
5. सफल जनतंत्र का निर्माण।
6. राजनैतिक जागरूकता।
7. सामाजिक समानता में अभिवृद्धि।